

इलेक्ट्रानिक संकाय में आइआइटी को पेटेंट, पोखरियाल ने दी बधाई

इंदौर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। आइआइटी इंदौर के नाम इलेक्ट्रानिक संकाय में एक पेटेंट दर्ज हो गया है। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय से आइआइटी के दो शिक्षकों विशाल शर्मा और संतोष कुमार विश्वकर्मा को उनके अविष्कार के लिए पेटेंट प्रदान किया गया। आइआइटी इंदौर की इस उपलब्धि पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री डा.रमेश पोखरियाल निशंक ने ट्वीट कर बधाई दी। पोखरियाल ने कहा कि यह पैकेज कल्चर से पेटेंट कल्चर में रूपांतरण का एक उदाहरण है।

आइआइटी इंदौर के खाते में दर्ज हुआ अब तक का यह दूसरा पेटेंट है। आइआइटी के दो शिक्षकों को

उनके अविष्कार 'अल्ट्रा लो पावर रीड डीकपल्ड डिफरेंशियल राइट, 10 टी स्त्रेम सेल विथ हायर रीड राइट नोइस मार्जिन' के लिए पेटेंट प्रदान किया गया है। 2016 में तकनीक की खोज और अविष्कार के बाद पेटेंट हासिल करने के लिए आवेदन किया गया था। इस अविष्कार के जरिए स्टेटिक मेमोरी आपरेशन की गति बढ़ाने की तकनीक खोजी गई है। तमाम माइक्रोप्रोसेसर आधारित इलेक्ट्रानिक व कंप्यूटर उपकरणों के लिए यह अविष्कार महत्वपूर्ण है। पेटेंट के जरिए 20 वर्ष तक दोनों अविष्कारकर्ता शिक्षकों को बौद्धिक संपदा कानून के तहत अविष्कार के उपयोग का अधिकार प्राप्त हो गया है।